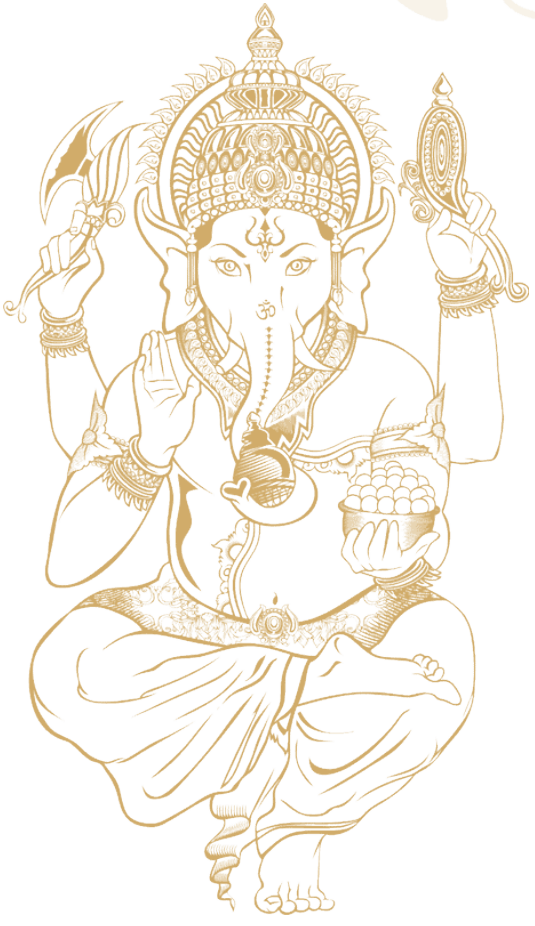

Harsh

07 Sep 2003

04:32 AM

Bareli

Model: web-freekundliweb

Order No: 121633005

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**6-07/09/2003**
दिन	शनि-रविवार
जन्म समय	**04:32:00 घंटे**
इष्ट	56:18:43 घटी
स्थान	**Bareli**
राज्य	Madhya Pradesh
देश	India

अक्षांश	23:00:00 उत्तर
रेखांश	78:18:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:16:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	04:15:12 घंटे
वेलान्तर	00:01:26 घंटे
साम्पातिक काल	03:17:42 घंटे
सूर्योदय	06:00:30 घंटे
सूर्यास्त	18:29:43 घंटे
दिनमान	12:29:13 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	20:07:58 सिंह
लग्न के अंश	29:16:25 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**उत्तराषाढ़ा - 3**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	शोभन
करण	बव
गण	मनुष्य
योनि	नकुल
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	सिंह
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	जा-जामवंत
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	29:16:25	322:00:20	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	---
सूर्य			सिंह	20:07:58	00:58:11	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	स्वराशि
चंद्र			मक	04:22:43	13:35:55	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	सम राशि
मंगल	व		कुंभ	08:52:33	00:13:49	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	सम राशि
बुध	व	अ	सिंह	28:08:41	00:53:22	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	चंद्र	मित्र राशि
गुरु			सिंह	08:29:22	00:12:57	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	मित्र राशि
शुक्र		अ	सिंह	25:23:09	01:14:28	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	शत्रु राशि
शनि			मिथु	17:19:11	00:04:53	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	शुक्र	मित्र राशि
राहु	व		मेष	29:26:15	00:07:29	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	राहु	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	29:26:15	00:07:29	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	सूर्य	सम राशि
हर्ष	व		कुंभ	06:30:07	00:02:18	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	चंद्र	---
नेप	व		मक	17:08:14	00:01:18	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	---
प्लूटो			वृश्चि	23:27:10	00:00:17	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	मंगल	---
दशम भाव			मेष	28:02:09	--	कृतिका	--	3	मंगल	सूर्य	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

के.पी. अयनांश : 23:48:14

लग्न-चलित

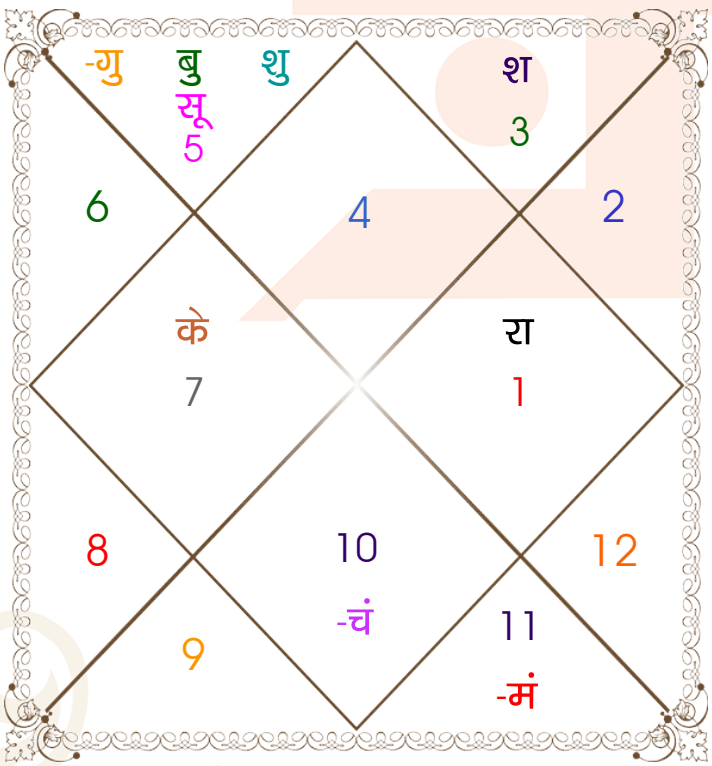

चन्द्र कुंडली

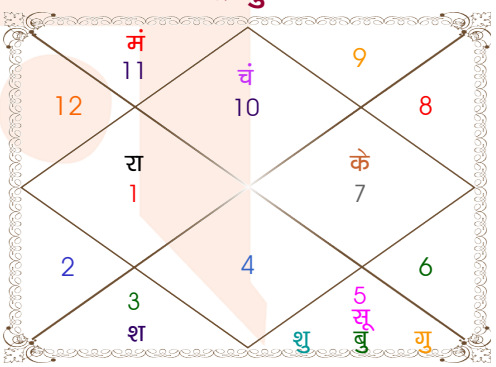

नवमांश कुंडली

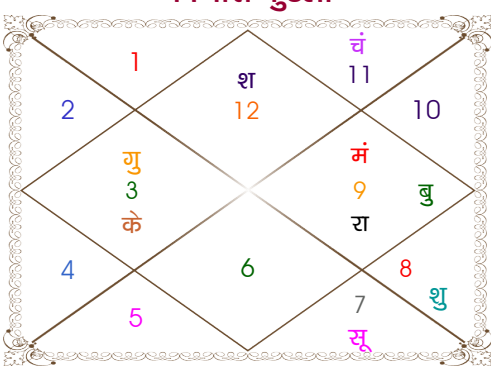

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 2 वर्ष 6 मास 10 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
07/09/2003		19/03/2006		18/03/2016		19/03/2023		18/03/2041	
19/03/2006		18/03/2016		19/03/2023		18/03/2041		18/03/2057	
	00/00/0000	चंद्र	17/01/2007	मंगल	14/08/2016	राहु	29/11/2025	गुरु	07/05/2043
	00/00/0000	मंगल	18/08/2007	राहु	02/09/2017	गुरु	24/04/2028	शनि	17/11/2045
	00/00/0000	राहु	16/02/2009	गुरु	09/08/2018	शनि	01/03/2031	बुध	23/02/2048
	00/00/0000	गुरु	18/06/2010	शनि	18/09/2019	बुध	17/09/2033	केतु	29/01/2049
	07/09/2003	शनि	17/01/2012	बुध	14/09/2020	केतु	06/10/2034	शुक्र	30/09/2051
शनि	05/01/2004	बुध	18/06/2013	केतु	10/02/2021	शुक्र	05/10/2037	सूर्य	18/07/2052
बुध	11/11/2004	केतु	17/01/2014	शुक्र	12/04/2022	सूर्य	30/08/2038	चंद्र	17/11/2053
केतु	18/03/2005	शुक्र	18/09/2015	सूर्य	18/08/2022	चंद्र	29/02/2040	मंगल	24/10/2054
शुक्र	19/03/2006	सूर्य	18/03/2016	चंद्र	19/03/2023	मंगल	18/03/2041	राहु	18/03/2057

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
18/03/2057		18/03/2076		18/03/2093		19/03/2100		19/03/2120	
18/03/2076		18/03/2093		19/03/2100		19/03/2120		00/00/0000	
शनि	21/03/2060	बुध	15/08/2078	केतु	15/08/2093	शुक्र	20/07/2103	सूर्य	07/07/2120
बुध	29/11/2062	केतु	12/08/2079	शुक्र	15/10/2094	सूर्य	19/07/2104	चंद्र	05/01/2121
केतु	08/01/2064	शुक्र	12/06/2082	सूर्य	19/02/2095	चंद्र	20/03/2106	मंगल	13/05/2121
शुक्र	10/03/2067	सूर्य	18/04/2083	चंद्र	21/09/2095	मंगल	20/05/2107	राहु	07/04/2122
सूर्य	20/02/2068	चंद्र	17/09/2084	मंगल	17/02/2096	राहु	20/05/2110	गुरु	24/01/2123
चंद्र	20/09/2069	मंगल	14/09/2085	राहु	06/03/2097	गुरु	18/01/2113	शनि	08/09/2123
मंगल	30/10/2070	राहु	02/04/2088	गुरु	10/02/2098	शनि	19/03/2116		00/00/0000
राहु	05/09/2073	गुरु	09/07/2090	शनि	22/03/2099	बुध	18/01/2119		00/00/0000
गुरु	18/03/2076	शनि	18/03/2093	बुध	19/03/2100	केतु	19/03/2120		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 2 वर्ष 6 मा 14 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्लेषा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में कर्क लग्नोदय काल हुआ-लग्न के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर मीन राशि का नवमांश एवं द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म आकृति से यह निर्देश प्राप्त होता है कि आप में दो प्रकार की विशेषता विद्यमान है। प्रथम तो यह है कि आप आस्तिक विचार धारा के भगवान के प्रति समर्पित प्राणी हैं तथा भगवान से भयभीत रहते है। दूसरा यह है कि आपके मन में धार्मिक तीर्थ-स्थानों का भ्रमण, दर्शन की अभिरूचि रहती है तथा आप दानशील प्रवृति के प्राणी है। आप पूर्ण रूपेण सांसारिक विषयों के प्रति रूचिवान है। आप ऐहिक सुखों के भोग हेतु किस प्रकार धन उपार्जन किया जाए। अर्थात् चाहे जो कुछ भी हों जीवन के अन्तिम किनारे तक सुख भोग एवं आनन्द प्राप्त करें। इसके अतिरिक्त आपको मद्यपान से स्नेह हैं। आप इन दो भिन्न-भिन्न विशेषताओं को किस प्रकार समतल करेगें यह आप ही जानते है।

आप वास्तव में सामंजस्य के विद्यान के ज्ञाता है तथा सामंजस्य स्थापित करते हैं। आप कुशाग्रबुद्धि के प्रशिक्षित विद्वतापूर्ण प्रतिभा सम्पन्न हैं। आप धन प्राप्ति हेतु अनीतिपूर्ण अभिलाषा नहीं रखते।

परन्तु आपकी जन्मजात प्रवृति है कि आपके दिमाग में यह बात रहती है कि किसी भी बातों के सम्बंध में भली प्रकार ज्ञान प्राप्त करें। आप किसी के साथ छल कपट पूर्ण व्यवहार नहीं कर दूसरों के साथ विश्वसनीयता पूर्वक सहयोग एवं सहारा लेकर किसी भी वस्तु को हस्तगत करना चाहिए कि नीति अपनाते हैं।

आपको अपने जीवन में सदैव उत्तम एवं मनोहर आनन्द प्राप्ति की अभिरूचि रहती है क्योंकि कि आप स्वार्थी प्राणी है। इस दृष्टिकोण से आपको विशेषतया सतर्कता अपनाना चाहिए। कम से कम परिवार के सामने अपने व्यक्तिगत महत्वकांक्षा को सीमित रखें। आपको अपनी पति एवं सुसन्तान के प्रति आज्ञाकारी भावनाओं से युक्त समर्पित भाव से सदैव तत्पर रहने से प्रसन्नता की प्राप्ति होगी। अतः आप निश्चित रूप से परिवारिक सदस्यों के सम्बंध की सीमा का उलंघन नहीं करे। आपको घर गृहस्थी द्वारा संयमित सुख साधन प्राप्त होगा। कर्क राशीय प्रभाव से आप वास्तव में अध्ययन तथा मार्गदर्शन कर सकते है। आप अपने निर्देशित शक्ति सम्पन्नता के पथ पर चलकर दूसरों के लिए उदाहरण प्रस्तुत करते हैं।

आपमें यह सामर्थ्य विद्यमान है कि आप कोई भी कार्य कुशलता पूर्वक सम्पन्न कर सकते हैं। आप अपनी तामसी प्रवृति का त्याग कर अथवा अवरूद्ध कर जन सामान्य में प्रसिद्धि प्राप्त करेगे।

आप औसतन लम्बे छरहरे बदन, चेहरा एवं पूर्ण (गाल) कपोल युक्त सुन्दर है। आप समय के महत्व को समझ कर चल सकते हैं और आप बेढंगे चाल चलन को त्याग दें बल्कि दृढ़तापूर्वक शोभनीय आचरण करें। यदि आप अधिक भोजन ग्रहण करते रहे तो आपके शरीर का अपरिमेय वृद्धि हो जाएगा तथा आप एक असामान्य दिखने लगेंगे। आपकी किशोरावस्था में स्वास्थ्य अच्छी रहेगी तथा आप अधिक समय तक मनोहर सुन्दर दिखेंगे।

आपके शरीर का समुचित विकास होगा। कर्क राशीय सिद्धान्त के प्रभाव से आपकी छाती में तथा पेट सम्बंधी रोगों (समस्याओं) के प्रति सावधानी बरतें क्योकि कुछ वर्षों के पश्चात् पाचन क्रिया विकृत होकर आपके सामने दिक्कतें पैदा कर सकती है। साथ ही आप शान्ति पूर्वक जीवन व्यतीत करने की आदत डालें क्योंकि आप एक सुन्दर (प्रसन्न) प्राणी हैं।

आप हिस्ट्रीया रोग, जॉनडिस (पीलिया रोग) एवं जलोदर रोग से प्रभावित तथा आक्रान्त हो सकते हैं। आप सतर्कता पूर्वक नियमित रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आप अंक 4 एवं 6 अंक का व्यवहार हेतु (पसन्द) चुन सकते हैं। अंक 3 एवं 5 अंकों का परित्याग करें।

आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, क्रीमकलर पीला एवं लाल रंग उत्तम है। कृपया रंग हरा एवं ब्लू रंग के वस्त्रादि धारण नहीं करें।